जेल में चल रहे एस.टी.डी. बूथ से फोन कर जेल में कैदियों ने बनाया अय्यासी का प्लान

इलाज के बहाने जेल से निकल होटल पहुंचे कैदी, चार कैदी और चार पुलिसकर्मी हिरासत में

जयपुर। सेंट्रल जेल में बंद चार बदमाशों को जेल प्रशासन, डॉक्टर, पुलिस ने मिल कर इलाज के नाम पर जेल से बाहर किया। इसके बाद चारों अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड को लेकर जयपुर के दो होटलों में पहुंच गए। मामला सामने आने के बाद जयपुर पुलिस ने चार कैदियों और चार पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया है। मामले में जेल के डॉक्टर और अन्य अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है। इस पूरे प्लान को जेल में चल रहे एसटीडी बूथ के माध्यम से फोन कर तैयार किया गया। कैदी अय्याशी करने के लिए जेल से निकले थे। पुलिस अब इस मामले में कैदियों और पुलिसकर्मियों के बीच लेने के मामले की जांच कर रही है। इस पूरे प्रकरण को लेकर जालुपुरा और एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

गौरतलब है कि जयपुर सेंट्रल जेल में बंद रफीक, भंवर, अंकित, करण और जोगेंद्र अलग-अलग अपराध में बंद हैं। शनिवार सुबह बीमारी का हवाला देकर जेल सभी पांच बदमाश अस्पताल पहुंचे। वहां तैनात डॉक्टर कैलाश ने इन सभी को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया। जेल अधीक्षक को इसकी सूचना दी गई थी। पुलिस लाइन से आए गार्ड इन कैदियों को लेकर एसएमएस अस्पताल पहुंचे। यहां पर्ची कटवाने के लिए कैदी जोगेंद्र को एक हेड कांस्टेबल और सिपाही वापस जेल ले गए। जबकि बाकी चार बंदी रफीक,भंवर, अंकित और करण दो सिपाहियों के साथ मिलीभगत कर जयपुर के सिंधी कैंप और एयरपोर्ट के पास स्थित होटलों में पहुंच गए। जहां पहले से उनकी महिला मित्र होटलों में मौजूद थीं।

- **महिला मित्रों के साथ आपत्तिजनक हालत में थे कैदी, सीएसटी टीम ने पकड़ा**

जांच में सामने आया कि कैदियों ने जेल में लगी एसटीडी सुविधा के जरिए अपने परिचितों और परिजनों से बातचीत कर इस पूरी साजिश को अंजाम दिया। अस्पताल पहुंचने पर उनके अन्य साथी भी वहां मौजूद थे। जो उन्हें होटलों तक ले गए। इस पूरे खेल में पुलिसकर्मियों को लालच देकर शामिल किया गया। कैदियों ने पहले से ही होटलों में मुलाकात की योजना बना ली थी, जिसमें जेल के डॉक्टर और कुछ पुलिसकर्मियों की संलिप्तता थी। बिना डॉक्टर की एडवाइस के किसी भी कैदी को जेल से रेफर नहीं किया जा सकता। डॉक्टर जिन कैदियों का रेफर बनाता है, एक बार जेल अधीक्षक उन कैदियों से मिलता है। ऐसे में यह चूक होना इस बात को बता रहा है कि जयपुर जेल में इतनी अधिक अनियमितता मिलने के बाद भी ये लोग सुधर नहीं रहे हैं।

जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को इस घटना की जानकारी जेल के सूत्रों से मिली। जिस के बाद चालानी पुलिसकर्मियों की लोकेशन निकाली गई। जिस पर एयरपोर्ट और सिंधी कैम्प थाना इलाके से चारों बदमाशों और चार पुलिसकर्मियों को डिटेन कर थाने लाया गया। जिस के बाद जयपुर पुलिस ने दोनों थानों में एक-एक एफआईआर दर्ज कराई। चारों युवकों और चारों पुलिसकर्मियों से पूछताछ की जा रही है कि वह कैसे और किस तरह से यहां तक पहुंचे उनकी इस प्रकरण में किस किस ने मदद की? पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या अन्य बंदी व जेल कर्मचारी भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि कैदियों ने जेल के उच्च प्रशासन और डॉक्टर से मिलीभगत कर एक महीने पहले पर्ची कटाई थी। इसमें एलर्जी होना बताया था। इस पर्ची से ही जेल के डॉक्टर ने बंदियों को एसएमएस रेफर किया था। आरोपी बदमाश अंकित जीएसटी चोरी के मामले में जेल में 1 साल से बंद है। पहले भी एसएमएस हॉस्पिटल में अंकित अपनी गर्लफ्रेंड से मिल चुका है। अंकित के भाई को पुलिस ने 45 हजार रुपए के साथ होटल बेला कासा (एयरपोर्ट थाना) में पकड़ा। यहां से दोनों कैदियों के आईडी कार्ड मिले। दूसरा आरोपी करण जमीन की धोखाधड़ी के मामले में नवंबर 2024 से जेल में बंद है। रफीक उर्फ बकरी हत्या के मामले में जेल में बंद है। वहीं कैदी भंवर रेप के मामले में जेल में बंद है।

देश का प्रत्येक नागरिक एक सैनिक है : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

जयपुर के गांडीव स्टेडियम से चित्रकूट स्टेडियम तक रविवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। इस यात्रा में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।

जयपुर। भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और वीरता को सम्मान देने के उद्देश्य से रविवार को जयपुर के गांडीव स्टेडियम से चित्रकूट स्टेडियम तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व राजस्थान के सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया।

यह तिरंगा यात्रा देश की सुरक्षा में जुटे वीर जवानों और ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सभी सशस्त्र बलों को समर्पित थी। इसमें बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक,वीर नारियाँ,उनके परिजन एवं युवाओं ने भाग लिया। यात्रा के दौरान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को हाथों में लेकर 'भारत माता की जय' और 'वीर जवान अमर रहें' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर कहा कि हमें गर्व है कि हमारे देश के सैनिक सीमाओं पर अडिग रहकर देश की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यात्रा में शामिल सभी पूर्व सैनिक,उनके परिजन एवं युवाओं महिलाओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक नागरिक एक सैनिक है। जो राष्ट्र को मजबूत करने में योगदान देता है। कर्नल राठौड़ ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और देश के सैनिकों को आतंकवाद खत्म करने की स्वतंत्रता देने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी के साथ उन्होंने सेना के जज़्बे को भी सलाम किया।

इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़ ने भी यात्रा में भाग लेकर सभी का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के अदम्य साहस और त्याग को श्रद्धांजलि देने का प्रतीक है।

इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करना,शहीदों के बलिदान को याद करना और समाज को एकजुट कर देश के प्रति समर्पण की भावना को प्रबल करना था। यात्रा का समापन चित्रकूट स्टेडियम में राष्ट्रगान के साथ हुआ।

राम बाग चौराहे के पास देर रात आए तूफान से सड़क पर गर्मी में तेज धूप से वाहन चालकों को बचाने के लिए लगाए गए ग्रीन शेड सड़क पर झुके जिससे ट्रेफिक डाइवर्ट किया गया। चौमू हाउस चौराहे के पास एक पेड़ भी गिरा। फोटो : दिनेश भारद्वाज

राजस्थान में करोना की धीमी दस्तक

जयपुर। राजस्थान में करोना संक्रमण की धीमी लेकिन चिंताजनक वापसी हो रही है। रविवार को राज्य में करोना के तीन नए मामले सामने आए हैं। जिसमें से जोधपुर एम्स, उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज और जयपुर के इटर्नल हॉस्पिटल में एक-एक संक्रमित मरीज की पुष्टि हुई है।

- **दो महीने का मासूम भी चपेट में**
- **2025 में अब तक करोना के 15 नए केस**

जानकारी के अनुसार इन सभी मामलों में सबसे अधिक चिंता का विषय डीडवाना के नागौर का है, जहां सिर्फ दो महीने का एक शिशु को गंभीर हालत में एम्स जोधपुर के एनआईसीयू में भर्ती किया गया है। हालांकि मासूम की हालत स्थिर बताई जा रही है। इसके अलावा उदयपुर के 27 वर्षीय युवक और अजमेर के केकड़ी कस्बे की सुभाष कॉलोनी के 68 वर्षीय बुजुर्ग में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है।

कोरोना के कहर पर लगी लगाम के बाद वर्ष 2025 की शुरुआत शुरुआत से अब तक कुल 15 कोरोना मरीज सामने आ चुके हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि अब तक किसी की भी मौत नहीं हुई है। संक्रमण के मामले राज्य के विभिन्न जिलों से दर्ज हुए हैं। जिसमें से फलौदी, बीकानेर, सवाईमाधोपुर से एक-एक, कुचामन, अजमेर, जोधपुर से दो-दो, जयपुर और उदयपुर से तीन-तीन मामलें सामने आ चुके है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संक्रमण की संख्या कम है, लेकिन मामलों की भौगोलिक फैलावट और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग में संक्रमण के कारण सतर्कता बेहद जरूरी है। सरकार ने फिलहाल किसी तरह की नई पाबंदी लागू नहीं की है, लेकिन अस्पतालों में अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी जा रही है।

गोस्वामी अंजन कुमार गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत

जयपुर। शहर के अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय ने गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत के रूप में मृतक प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी के स्थान पर गोस्वामी अंजन कुमार का नाम अंकित करने को कहा है। अदालत ने यह आदेश गोस्वामी अंजन कुमार के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

पीठासीन अधिकारी नीलम करवा ने मामले में अंजन कुमार और ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि सेवारत महंतों के उत्तराधिकार को ज्येष्ठाधिकार रीति से ही नियुक्त किया जाता है। वहीं राजस्थान लोक न्यास अधिनियम के प्रावधानों के तहत अंजन कुमार ही ज्येष्ठाधिकार के उत्तराधिकार का तरीका होने के आधार पर एकल कार्यवाहक प्रन्यासी नियुक्त होने का अधिकारी है।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता सुरुचि कासलीवाल ने अदालत को बताया कि सहायक देवस्थान आयुक्त ने सितंबर, 1972 को निर्णित किया कि ठिकाना मंदिर गोविन्द देवजी एक सार्वजनिक प्रन्यास है और उसके कार्यवाहक प्रन्यासी प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी है। कार्यवाहक प्रन्यासी के उत्तराधिकार का तरीका ज्येष्ठाधिकार है। इस आदेश के खिलाफ एक अपील देवस्थान आयुक्त के समक्ष पेश की। आयुक्त ने फरवरी, 1977 को अपील का निस्तारण कर दिया। इसके तहत प्रार्थी के पिता को एकल कार्यवाहक प्रन्यासी माना गया। वहीं दिसंबर, 1977 में उनका निधन हो गया। ऐसे में प्रार्थी ज्येष्ठ पुत्र होने के कारण मंदिर का एक मात्र सेवायत महंत है। पिता की मौत होने पर प्रार्थी ने अपने आप को एकल प्रन्यासी घोषित करने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था। सहायक देव स्थान आयुक्त ने प्रार्थना पत्र के खिलाफ पेश आपत्तियों को तय करते हुए साल 1999 में प्रार्थी के पक्ष में फैसला दिया और यह भी निर्देश दिया गया कि नवीन कार्यवाहक प्रन्यासी की नियुक्ति के लिए तीस दिन में जिला अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया जाए। अत: अंजन कुमार ने दिसंबर, 1999 में प्रार्थना पत्र पेश कर प्रद्युम्न कुमार के स्थान पर उसका नाम अंकित करने की गुहार की। वहीं इस प्रार्थना पत्र का उसके भाई ओधेश कुमार व अनुज कुमार के साथ ही ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह ने विरोध किया। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने प्रार्थी का नाम एकल सेवारत महंत के रूप में अंकित करने को कहा है।

128 लोगों ने एक साथ किया "गिवअप"

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई और त्वरित समाधान के लिए जयपुर जिले में नियमित जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में कालवाड़ तहसील की बेगस ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कार्यक्रम जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर की अपील पर 128 लोगों ने गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटवाने की सहमति दी एवं 30 से अधिक लोगों ने पीएम सूर्यघर बिजली योजना का लाभ लेने का संकल्प लिया।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया और उनकी परिवेदनाएं सुनीं। रात्रि चौपाल में प्रमुख रूप से पेयजल, विद्युत, सड़क, चिकित्सा, पेंशन, पट्टे, राजस्व रिकॉर्ड शुद्धि, अतिक्रमण, श्मशान एवं खेल मैदान हेतु भूमि आवंटन से संबंधित परिवाद प्राप्त हुए जिनमें से अधिकतर परिवादों का निस्तारण मौके पर किया गया। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों अधिकारियों को शेष परिवादों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

युवा उत्तम स्वास्थ्य के लिए अपनाएं योग : नरेन्द्र मोदी

खेलो इंडिया यूथ गेम्स से स्थानीय प्रतिभाओं को मिला मंच : भजनलाल शर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 122वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान होटल अशोका में मन की बात के इस संस्करण को सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है। यह हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है। देश की सेना के प्रति वंदन-अभिनंदन के लिए शहरों, गांवों, छोटे-छोटे कस्बों में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। उन्होंने बताया कि बीकानेर में बच्चों ने देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर बनाई पेंटिंग उन्हें भेंट की थी। मोदी ने कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया। इस विजय में हमारे इंजीनियर और टेक्नीशियन सहित हर किसी का पसीना शामिल है। मोदी ने अपने संबोधन में बताया कि गुजरात के गिर में पांच वर्षों में शेरों की आबादी 674 से बढ़कर 891 हो गई है। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण के लिए हमेशा जागरुक और सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने सिक्किम के डॉ. चेवांग नोरबू भूटिया की क्राफ्टेड फाइबर्स से विभिन्न उत्पाद बनाने और उत्तराखंड के हल्द्वानी के जीवन जोशी की बगेट कला का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में महिलाएं ड्रोन से 50 एकड़ जमीन पर दवा के छिड़काव का काम कर रही हैं। जिससे खेती में नई क्रांति आ रही है।

प्रधानमंत्री ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' को लेकर कहा कि इस बार युवाओं ने देश की विरासत से जुड़े प्रतिष्ठित स्थानों पर योग करने एवं योगा चेन का हिस्सा बनने का संकल्प लिया है। उन्होंने आयुर्वेद के क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण एमओयू का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आयुष को पूरी दुनिया में वैज्ञानिक तरीके से लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की चर्चा करते हुए माउंट मकालू पर आईटीबीपी टीम के सदस्यों द्वारा पर्वतारोहण के साथ ही 150 किलो नॉन बायोडिग्रेडेबल कचरा संग्रहण के कार्य का वर्णन किया। मोदी ने अपने संबोधन में बिहार में आयोजित हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स पर चर्चा करते हुए राजस्थान के एथलीट हंसराज सहित सभी विजेता खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही, पदक तालिका में महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मन की बात के 122वें संस्करण को सुनकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन सभी के लिए प्रेरणादायी होता है। इस कार्यक्रम के जरिए देश की विकास यात्रा में सभी को सहभागी बनने की ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिला है।

नौतपा शुरू : भट्टी सा तपेगा प्रदेश, आठ जून तक रहेगी तपिश

जयपुर। प्रचंड गर्मी का दौर नौतपा रविवार से शुरू हो गया है। है। नौतपा में सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसलिए चिलचिलाती धूप और लू का असर ज्यादा रहने की आशंका जताई जा रही है। नौतपा 25 मई से 2 जून तक रहेगा, लेकिन तपिश 8 जून तक रहेगी, क्योंकि सूर्यदेव 8 जून तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसलिए इस बार गर्मी ज्यादा सताएगी। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है। सुबह करीब 9.30 बजे सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इस समय सौभाग्य और आनंद योग भी रहेगा। सूर्य 8 जून की सुबह तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसलिए नौतपा के बाद के छह दिन भी तेज गर्मी पड़ने की आशंका है। सूर्य घूमते हुए मध्य भारत के ऊपर आ जाता है। जून में यह कर्क रेखा के पास पहुंचता है। इस दौरान सूर्य 90 डिग्री पर होता है। इससे उसकी किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ती हैं। तापमान तेजी से बढ़ता है। इस बार संवत्सर के राजा और मंत्री दोनों सूर्य हैं। इससे भी गर्मी ज्यादा रहने के संकेत हैं। मंगल और राहु का मीन राशि में गोचर होने से बादल छाने की संभावना भी बनी रहेगी। 2 जून तक तेज गर्मी के साथ अंधड़ और शाम में बारिश हो सकती है।

किसान हितैषी नीतियों पर प्रदेश में किया जाएगा काम : अवाना

जयपुर। जयपुर के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल राजस्थान का प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह अवाना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें अवाना ने पार्टी की नीति एवं संगठन के विस्तार जैसे मुद्दों पर रणनीति पर चर्चा की। इसी दौरान अवाना ने सम्मेलन में उपस्थित कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए जोशीले अंदाज में कहा कि हमें एकजुट होकर पार्टी को प्रदेश में मजबूत करना है और तीसरी बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करना है।

कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अवाना ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के ग्रामीण विकास एवं सामाजिक विकास की दूरगामी नीति को प्रदेश के हर कोने में जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा साथ ही अवाना ने कहा कि आने वाले समय में पार्टी का कार्यकर्ता मजबूती के साथ पार्टी हित में निरंतर काम करता हुआ प्रदेश से लेकर बूथ स्तर तक नजर आएगा तथा आगामी स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज के चुनावों में महत्वपूर्ण सहभागिता के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका निभायेगा। इसी दौरान अवाना ने घोषणा करते हुए कहा कि आने वाली 29 मई को प्रदेश की राजधानी जयपुर में पिंक सिटी प्रेस क्लब में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि को सामाजिक न्याय एवं समरसता दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

पांच हजार महिलाओं को जोड़ दिया सरकारी योजनाओं से

जयपुर। अपने समुदाय में 5000 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और 400 से अधिक महिलाओं के सरकारी दस्तावेज बनवाने वाली 20 महिलाओं का आजाद फाउंडेशन ने सम्मान किया। किशोरियों की उच्च शिक्षा, कम उम्र में विवाह रोकने और लैंगिक समानता के लिए अपनी जिंदगी एवं समुदाय में जागरुकता फैलाने वाली पांच किशोरियों को भी सम्मानित किया गया।

- **कम उम्र में विवाह रोकने वाली 5 किशोरियां भी सम्मानित**

रविवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में आजाद फाउंडेशन ने जीवन में बदलाव की यात्रा का उत्सव मनाने के लिए किशोरी उत्सव एवं परवाज नारीवादी दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन समाज में किशोरियों और महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परवाज नारीवादी नेतृत्व कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर की 20 महिलाओं को एक वर्ष का प्रशिक्षण दिया गया, जिन्होंने अपने समुदाय में 5000 से अधिक महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ा और 400 से अधिक महिलाओं के सरकारी दस्तावेज बनवाए। इन महिलाओं को परवाज नारीवादी नेतृत्व प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार पाने वाली नलिनी फाउंडेशन की किशोरियों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। सभी किशोरियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मनित किया गया। किशोरियों की उच्च शिक्षा, कम उम्र में विवाह रोकने और लैंगिक समानता के लिए अपनी जिंदगी एवं समुदाय में जागरुकता फैलाने वाली पांच किशोरियों को भी सम्मानित किया गया।

आजाद फाउंडेशन के नेशनल लीड श्रीनिवास ने बताया कि आजाद महिलाओं को गैर परंपरागत रोजगार से जोड़ने का काम करती है। आज आजाद के वीमेन विथ व्हील्स कार्यक्रम से ट्रेनिंग ली हुईं महिलाएं बस, ट्रक और ट्रेलर चला रही हैं। कुछ महिलाएं यूरोप में ड्राइवर के रूप में काम कर रही हैं। लगभग 2 लाख रुपए महीना कमा रही हैं। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) में भी 100 से अधिक महिला ड्राइवर्स हैं। हम राजस्थान सरकार के साथ एक वृहत ऐसी पार्टनरशिप चाहते हैं, ताकि राजस्थान की महिलाएं भी ट्रांसपोर्ट सेक्टर में काम कर रोजगार कमाएं और आर्थिक रूप से सशक्त हों।

आजाद फाउंडेशन के राजस्थान प्रभारी हरि शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा जयपुर में अभी तक 3000 से अधिक किशोरियों को सहयोग किया है, जिन्होंने अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण की है। अपने परिवार की एक मुख्य सदस्य के रूप में पहचान बनाई है। आजाद फाउंडेशन के इस प्रयास से न केवल किशोरियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास भी प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किशोरियों, महिलाओं और अन्य स्वयंसेवी संगठनों ने शिरकत की।

इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में आजाद फाउंडेशन ने रविवार को ऐसी 20 महिलाओं का सम्मान किया।

एलआईसी ने 24 घंटे में सर्वाधिक पॉलिसियां बेचने का रिकॉर्ड बनाया

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 24 घंटे में सर्वाधिक जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने के लिये गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का खिताब हासिल किया है। जीडब्ल्यूआर द्वारा सत्यापित यह ऐतिहासिक उपलब्धि 20 जनवरी को निगम के समर्पित एजेंसी नेटवर्क के असाधारण प्रदर्शन को दर्शाती है। 20 जनवरी को भारतीय जीवन बीमा निगम के कुल 452839 अभिकर्ताओं ने पूरे भारत में 588107 जीवन बीमा पॉलिसियां सफलतापूर्वक पूर्ण करके जारी करायी। इस महत्वपूर्ण प्रयास ने 24 घंटे में जीवन बीमा उद्योग में अभिकर्ता उत्पादक के लिये एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया है।

यह रिकॉर्ड एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ महान्ति द्वारा की गई एक विचारशील पहल के प्रयास का परिणाम था, जिसमें उन्होंने प्रत्येक अभिकर्ता से "मेड मिलियन डे" यानी 20 जनवरी को कम से कम एक पॉलिसी पूरी करने की अपील की थी।